वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 17 | सोमवार 12 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा श्रमण संस्कृति छात्रावास में बालिकाओं को भोजन करवाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा ग्रुप सयुक्त सचिव प्रदीप - प्राची जैन बाकलीवाल के सहयोग से प्रातः का भोजन कराया गया। अध्यक्ष मनीष - शोभना लोग्या व सचिव राजेश - रानी पाटनी ने बताया कि इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका, राकेश संघी, नितेश पांड्या, निशु बाकलीवाल, आरुषि जैन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। संस्थापक अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि इस सेवा कार्य के पुण्यार्जक ग्रुप सयुक्त सचिव प्रदीप - प्राची जैन बाकलीवाल, भागचंद - कमला देवी बाकलीवाल लंगडियावास वाले परिवार था।

मदर्स डे सेलिब्रेशन पर डॉक्टर ने दिए हेल्दी हार्ट टिप्स

जयपुर. कासं। जयपुर के इटरनल हॉस्पिटल परिसर में रविवार को मदर्स डे पर खास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्डियोलॉजी स्पेशलिस्ट डॉ. सौम्यता शर्मा मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने बताया कि महिलाओं को दिल की बीमारी से बचने के लिए अपनी दिनचर्या में संतुलित खानपान, नियमित व्यायाम और स्ट्रेस मैनेजमेंट को शामिल करना जरूरी है। खासतौर पर मांएं, जो पूरे परिवार की देखभाल में जुटी रहती हैं, उन्हें खुद की सेहत पर भी ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मदर्स डे के महत्व पर बोलते हुए डॉ. सौम्यता ने कहा कि मां एक ऐसा शब्द है, जिसमें पूरा ब्रह्मांड समाया है। वह अपने बच्चे को जन्म से पहले ही जीवन जीने के पाठ सिखा देती है। उसकी ममता, त्याग और प्रेम की तुलना किसी से नहीं की जा सकती। इसी रिश्ते को सम्मान देने के लिए यह दिन मनाया जाता है। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर मदर्स डे सेलिब्रेट किया गया।

हर संस्कृति में मां का सम्मान होता है: वूमेंस एमपावरमेंट एंड वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्ष सुशीला सारस्वत ने कहा कि दुनिया की हर संस्कृति में माताओं को सबसे ऊंचा दर्जा दिया जाता है। वह अपने बच्चों की पहली शिक्षिका और सच्ची दोस्त होती है। वह अपने बच्चों से बिना किसी शर्त के प्यार करती है और उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

मां के प्रति आभार का दिन

सचिव सूरजपाल बड़त्या ने कहा कि मदर्स डे, माताओं के प्रति आभार और प्रेम जताने का विशेष अवसर है। भारत में इसे हर साल मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है, जो इस बार 11 मई को पड़ा। कार्यक्रम में असिस्टेंट कमिश्नर स्टेट जीएसटी राधिका मीना भी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

संस्कार शिक्षण शिविरों के लिए शिक्षक व विदुषियों को किया प्रशिक्षित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर द्वारा लगाये जाने वाले ग्रीष्म कालीन संस्कार शिक्षण शिविरों में अध्यापन हेतु शिक्षकों एवं विदुषियों को ख्याति प्राप्त विद्वानों द्वारा यह गुरु मंत्र दिए जा रहे है कि जैन धर्म की प्रभावना के साथ कैसे अध्यापन कार्य किया जाए। इसी क्रम में रविवार को संत सुधासागर बालिका छात्रावास में स्थानीय शिक्षिकाओं व संस्थान की विदुषियों को संस्थान के पूर्व प्राचार्य , वर्तमान निदेशक तथा 60 से भी अधिक वर्ष के अनुभवी प्रख्यात विद्वान डा. शीतल चंद्र जैन शास्त्री द्वारा अध्यापन की बारीकियाँ समझायी गई तथा बताया गया कि अनुशासन पहले स्वयं को पालन करना होता है तब ही तब ही विद्यार्थी पालन करते है ।इस समय प. दीपक जैन , प. राहुल जैन आदि की भी उपस्थिति रही । उल्लेखनीय हैं कि 16 से 27 मई तक लगने वाले स्थानीय शिविरों में दो सो से अधिक शिक्षिकाएं विदुषियाँ व विद्वान अध्यापन कार्य संपन्न करायेंगे।

लीनेस क्लब 'स्वरा' द्वारा आत्मनिर्भर वृद्धाश्रम में आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

लीनेस क्लब 'स्वरा' द्वारा आत्मनिर्भर वृद्धाश्रम में एक विशेष कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब की अध्यक्ष श्रीमती निशा शाह ने की, जबकि कार्यक्रम संयोजन श्रीमती रुचि शर्मा ने किया। यह जानकारी देते हुए क्लब की चार्टर प्रेजिडेंट स्वाति जैन ने बताया कि इस अवसर पर वृद्धाश्रम के निवासियों के साथ समय बिताते हुए, उनके स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की गई।क्लब के सदस्यों ने बुजुर्गों के साथ बातचीत की, उनकी जरूरतों को समझा और उन्हें आवश्यक सामग्रियाँ भेंट की। श्रीमती निशा शाह ने कहा, हमारा उद्देश्य समाज के उन सदस्यों तक पहुंचना है, जिन्हें हमारे साथ और सहयोग की आवश्यकता है। आत्मनिर्भर वृद्धाश्रम में आकर हमें पारिवारिक अनुभव का एहसास हुआ। कार्यक्रम संयोजक श्रीमती रुचि शर्मा ने बताया कि क्लब भविष्य में भी ऐसे सामाजिक सरोकार के कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।इस आयोजन से वृद्धाश्रम के निवासियों में खुशी की लहर देखने को मिली, और सभी ने लीनेस क्लब स्वरा के इस प्रयास की सराहना की।

चवलेश्वर तीर्थ क्षेत्र पर मूलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक हुआ

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

चतुर्दशी के पावन दिवस पर बापू नगर दिगंबर जैन समाज का एक दल बस द्वारा श्री चवलेश्वर पार्श्वनाथ दिगंबर जैन देशनोदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र चैनपुरा पहुंचा। संयोजक गोपाल बड़जात्या ने बताया कि प्रातः अभिषेक रथ के पुण्यार्जक सकल दिगंबर जैन समाज बापू नगर द्वारा बस में बापू नगर सहित अन्य कॉलोनी के यात्रीगण श्री चवलेश्वर पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र पहुंचे। जहां सभी श्रावकों ने धोती दुपट्टा पहने कैलाश शाह, ऋषभ जैन, राकेश बघेरवाल, नंदलाल झांझरी, महावीर प्रसाद जैन, लक्ष्मीकांत जैन परिवार ने अभिषेक कर शांतिधारा की। इस उपरांत सभी श्रावकों ने बारी-बारी से मूलनायक पार्श्वनाथ भगवान पर अभिषेक किया। पूजा-अर्चना कर अर्घ समर्पण किये इस अवसर पर श्रावक श्राविकाओं ने भक्ति नृत्य किया।इस उपरांत समीपवर्ती 100 बीघा में निर्यापक मुनि पुगंव श्री सुधा सागर महाराज के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से चल रहे नव मंदिरों निर्माण कार्यों का कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश कासलीवाल ने सभी को अवलोकन करा विकास कार्यों की संपूर्ण जानकारी दी।

रोटरी के नेत्र शिविर में 76 मरीजो की जांच 16 के ऑपरेशन होंगे

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

रविवार को रोटरी क्लब नेतृत्व में श्री सद्गुरु सेवा ट्रस्ट नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन रोटरी भवन में किया गया जिसमें काफी संख्या में मरीजो ने उपस्थित होकर जांच करवाई एवं कई मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया है। इस नेत्र शिविर में श्री करुणानिधि सेवा समिति अशोकनगर का विशेष सहयोग रहा! रिकॉर्ड के अनुसार 76 मरीजो की ओ पी डी हुई एवं 16 मरीजो का ऑपरेशन हेतु चयन किया गया। रोटरी क्लब अशोकनगर द्वारा प्रतिमाह के दूसरे रविवार को यह शिविर कई वर्षो से अनवरत आयोजित किया जा रहा है जिसमे अन्य जिलों से भी मरीज उपचार के लिए आते हैं। इस अवसर पर रोटेरियन अजित जैन, माधव सिंह रघुवंशी, रोशन कोहली, सहित अन्य उपस्थित रहे।

भारतीय जैन संघटना पिंकी सिटी के तत्वावधान में तालाब को गहरा करवाने का हुआ कार्य हुआ प्रारंभ

फागी. शाबाश इंडिया

परिक्षेत्र की ग्राम पंचायत मांदी कस्बे में आज भारतीय जैन संघटना पिंक सिटी के सूखा मुक्त राजस्थान अभियान के तहत तालाब के पुनर्जीवन (खुदाई) का कार्य प्रारंभ हुआ , मांदी सरपंच कैलाश स्वामी की अगुवाई में ग्रामीणों के सहयोग से कस्बे के तालाब की मिट्टी की खुदवाई करवाकर तालाब को गहरा करवाने का संकल्प लिया गया । कार्यक्रम में जैन संघटना पिंकी सिटी से जुड़े राजाबाबू गोधा ने बताया कि यह कार्य जैन समाज की धार्मिक संस्था भारतीय जैन संघटना पिंकी सिटी के द्वारा निशुल्क करवाया जा रहा है। जिसमें तालाब में से निःशुल्क मिट्टी उठाकर निःशुल्क बाहर अन्य खेतों में डलवाने के लिए एक जेसीबी मशीन सहित करीब 10 ट्रैक्टर ट्राली लगवाए गए, इससे पूर्व कार्यक्रम में कैलाश शास्त्री माद्री के द्वारा विभिन्न मंत्रोच्चारणों के बीच पूजा अर्चना की गई। कार्यक्रम में फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा ने ग्रामीणों संबोधित करते हुए कहा कि इस धार्मिक संस्था ने आपके ग्राम में तालाब के पुनर्जीवन का कार्य शुरू करवा दिया। सभी संसाधन आपके ही हैं जिसका खर्चा संस्था वहन करेगी। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष सुनील कोठारी ने बताया कि उक्त संस्था ने तालाब की खुदाई के कार्य के अलावा, जगह- जगह ब्लड डोनेशन कैंप, बच्चों के लिए खिलौना बैंक, प्लास्टिक सर्जरी कैंप, गरीब बच्चों के उत्थान हेतु अनेक कार्य फ्री में करवाए जा रहे हैं। जिसका आप लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हमारी संस्था आपके माध्यम से ही काम करती है हमारी संस्था आपसे न पैसा लेती है, न देती है हम भामाशाहों के सहयोग से यह कार्य करते आ रहे हैं। हमने लसाडिया लदाना सहित अन्य ग्राम पंचायतों में भी यह कार्य करवाया है, कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष सुनील कोठारी, यश बाफना, प्रदीप चौरडिया, पंचशील जैन, बसन्त जैन मित्तल, राजेश सिंघवी जयपुर, अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर प्रसाद झंडा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, जैन संघटना के राजाबाबू गोधा,मांदी सरपंच कैलाश स्वामी, उपसरपंच मुकेश चौधरी, पूर्व उपसरपंच शोभाराम जाट, विनोद चौधरी, महावीर स्वामी, हनुमान लाल सेन, हनुमान सिंह वाटर वर्क्स, रामदयाल चौधरी, हरिराम कुंवाल, सहित सभी प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती: डॉ. सूर्यवंशी

चौ. हरपाल सिंह कान्वेंट सी. सै. स्कूल में धूमधाम से मनाया गया 'मदर्स-डे'

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। मदर्स डे सभी माताओं और बच्चों के लिए खास होता है। ये दिन मां और बच्चों के मजबूत रिश्ते का जश्न मनाने का होता है। यह अपने बच्चों की सफलता में हर मां के निर्विवाद और निस्वार्थ योगदान को स्वीकार करने का दिन है। मदर्स डे सभी मां को धन्यवाद देने का भी दिन है। मदर्स डे दुनिया भर के कई देशों में मनाया जाता है। इसी कड़ी में शहर के हरपाल नगर मे स्थित चौ. हरपाल सिंह कान्वेंट सी. सै. स्कूल में मदर्स डे का कार्यक्रम मनाया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र के समक्ष ज्योति प्रज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज किया गया। सभी विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें कविता पाठन, गायन, मदर्स डे एक्टिविटी, चित्रकारी व नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे। अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चो ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय निदेशक व प्राचार्य डॉ. सतबीर सूर्यवंशी ने बताया कि मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जाती। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। मैनेजिंग डायरेक्टर सोनू शर्मा ने बताया कि ईश्वर की तरफ से दिया गया एक खूबसूरत तोहफा है माँ। दुनिया का सबसे खूबसूरत रिश्ता एक बच्चे का उसके माँ के साथ होता है। एक माँ ही ऐसी होती है जो अपने बच्चे की खुशी के लिए हर जोखिम भरा कदम उठा सकती है। माँ अपने बच्चे की भलाई और खुशहाल जिंदगी के लिए हर तरह के संघर्षों का सामना करने को तैयार रहती है। माँ जिसकी पूरी दुनिया में कोई परिभाषा नहीं होती है। इसलिए माँ का दर्जा सभी रिश्तों में सबसे ऊँचा होता है और इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी-अपनी मां को हस्तलिखित ग्रिटींग देने को भी कहा। मंच संचालन की कुशल भूमिका विद्यालय अध्यापक साहिल नागर ने निभाई। विद्यालय उपप्राचार्य पवन वर्मा ने बताया कि यह दिवस खासतौर पर माँ के लिए मनाया जाता है। अपने परिवार के प्रति उनका बलिदान, समर्पण और प्रेम इस दिवस को उनके लिए समर्पित किया जाता है। इस अवसर पर संस्था चेयरमैन ठाकुर गंगा सिंह, सेक्रेट्री रघुवीर सिंह, को-डायरेक्टर पूनम कंवर, नवशेर मान सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

वेद ज्ञान

महामारी के बाद

कोरोना महामारी के बाद का समय नए वर्ष की तरह ही होगा क्योंकि कोरोना महामारी का समय सभी बुरे वर्ष की तरह भूलना चाहते हैं। बीते समय की सीख नए समय व नए वर्ष का व्याकरण है। नए वर्ष को नए उत्साह व नई दृष्टि के लक्ष्य अवसर के रूप में होना चाहिए। नए समय में पुरानी रीति-नीति से नहीं चला जा सकता। परंपरा के कुछ आधार लिए जा सकते हैं, किंतु पथ नया संदर्भ चाहता है। आप नए समय के पूर्वानुमान को गलत, सही दोनों रूपों मे ले सकते हैं। दूरदर्शिता व पूर्वानुमान दो अलग-अलग विषय हैं। नए साल को दूरदर्शी तरीके से देखने का अर्थ है- संवेदनपटुता, विचारशीलता व बुद्धिमता। सत्ता संघर्ष में सब कुछ ग्राह्य होने के सिद्धांत ने सहनशीलता में कमी की है। उग्रता का परिप्रेक्ष्य इतना बढ़ चुका है कि पृथ्वी देशों की सीमाओं पर होने वाले अमानुषिक संघर्ष से दबी जा रही है। क्या मनुष्य जान माल व उसकी इयत्ता का कोई मूल्य नहीं रह गया। क्या मनुष्य जाति को स्थूल प्रश्नों में उलझा कर उसका सहज ध्रुवीकरण रोका नहीं जा रहा है, क्या तकनीक के अग्रगामी लक्षण के बदले उसे सिर्फ उपकरण में तब्दील नहीं किया जा रहा। मैं अभी गांव में हूं। जो पीली सरसों फूली है, क्या वह नए वर्ष का द्वार नहीं हो सकती, क्या किसान को उसकी कारुणिक स्थिति से उभरने का उत्ताप नए समय में नही लिया जाना चाहिए जो भूखे हमारे शहरों में कूड़े के ढेर से सुगंध की परवाह किए बगैर अन्न के दाने ढूढ़ते हैं। वे हमारी नवीनता की चुनौती नहीं होनी चाहिए, आप कहते हैं-प्रकृति इस शस्य श्यामला, सुजला, सुफला सृष्टि फूल फल धान्य से भर देती है, किंतु हमने ही प्रकृति को दूषित व मनुष्य रोधी बनाना शुरू कर दिया है कि उसकी स्वाभाविक सुगंध नष्ट हुई चली जा रही है। दरअसल एकवचनात्मकता तक रुक जाना नए वर्ष में छोड़ना होगा। हमें बहुवचनात्मकता की ओर बढ़ना होगा। हमें अपने में औरों के लिए भी जगह तलाशनी होगी। हाशिए के जन मुख्यधारा में लाने होंगे। सिंथेटिक से ज्यादा नैसर्गिकता पर भरोसा जगाना होगा। विचार, धर्म, राजनीति, नस्ल, जाति, क्षेत्र को विभेद के कारण के रूप में नहीं लेना होगा। इन्हें सहज समन्वय का आधार बनाना होगा। जो कालखंड बीत गया, वह वापस कभी नहीं लौटेगा, किंतु जो नया वर्ष हम जी रहें हैं उसे चाहें तो सकारात्मक, आत्मीय व प्रत्यक्ष बना सकते हैं, जिसमें मांगल्य, प्रगति व समानता तथा भयहीनता संबोधित हो।

संपादकीय

कर्ज के पैसे से आंतकी सिंचाई!

पाकिस्तान विगत तीन दशकों से भी अधिक समय से कर्ज के नाम पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और अन्य वैश्विक वित्तीय संस्थाओं से अरबों रुपए की राशि ले चुका है। बावजूद इसके न तो इस उसकी सूरत बदली न सीरत। आखिर इतनी बड़ी राशि कहां जाती है, यह किसी को नहीं मालूम। दूसरी ओर, आतंकवाद जैसी वैश्विक समस्या और उसके वित्त पोषण को लेकर उसका रवैया हमेशा ही संदिग्ध रहा है। विडंबना यह है कि जिस समय पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव की स्थिति बनी थी, वैसे समय में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को करीब बारह हजार करोड़ रुपए का नया ऋण दे दिया। इस नाजुक समय में आइएमएफ के इस फैसले पर भारत ने स्वाभाविक ही चिंता जताते हुए कहा कि इसका इस्तेमाल पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद फैलाने के लिए करता है। पाकिस्तान में कृषि से लेकर अर्थव्यवस्था तक चौपट हो चुकी है। विकास की रोशनी दिखाई नहीं देती। एशियाई विकास बैंक और विश्व बैंक से भी कर्ज लेने के बावजूद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था सुस्त है। तब मुद्रा कोष को क्यों नहीं यह सवाल करना चाहिए कि उसका दिया पैसा आखिर किस मद में जाता है? यह जगजाहिर है कि पाकिस्तान विकास की राह पर चलने

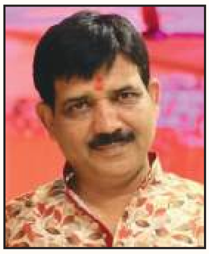

के बजाय अपना सैन्य खर्च लगातार बढ़ा रहा है। वहीं उसने सीमापार आतंकवाद फैलाने और अपने यहां आतंकवादियों को पालने-पोसने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से मिलने वाले कर्ज की कोई कसौटी नहीं है। इसकी क्या गारंटी है कि मुद्रा कोष से मिली राशि का उपयोग पाकिस्तान अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने और आतंकवादियों को संरक्षण देने में नहीं करेगा। हैरत की बात है कि पाकिस्तान को न तो अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की चिंता है और न ही बच्चों की शिक्षा की फिक्र। उस पर करीब दस लाख करोड़ से अधिक का कर्ज है जो उसकी जीडीपी का बयालीस फीसद है। यह छिपा नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिले ऋण को खर्च करने के मामले में उसने कभी पारदर्शिता नहीं बरती। इसलिए वैश्विक वित्तीय संस्थानों को पाकिस्तान को कर्ज देते समय वैश्विक मूल्यों का खयाल रखना चाहिए।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

क्रोध की गुलामी

कई वजह हो या फिर ऐसी बात, जिस पर गुस्सा तक नहीं होना चाहिए, उस पर भी अब लोग तुरंत इस कदर आवेश में आने लगे हैं कि देखते ही देखते वे हिंसक रूप ले लेते हैं। पिछले दिनों दिल्ली में खाना बना रहे एक मजदूर ने महज इस बात के लिए अपने एक साथी की हत्या कर दी, क्योंकि उसने सब्जी में नमक ठीक से डालने के लिए कहा था। भोजन में नमक कम या ज्यादा हो जाना क्या कोई ऐसी बात है कि जो किसी को इतना हिंसक बना दे कि वह अपने ही साथी की जान ले ले? यह गुस्सा है या मानसिक विकार? आज अधिकतर लोग आर्थिक संकट, टूटते रिश्ते, घर-

दफ्तर या फिर परिवार की किसी न किसी समस्या से परेशान हैं। मगर हमने कैसा समाज बना डाला है, जहां किसी कमजोर के साथ नाइंसाफी होने, कोई अधिकार छिन जाने या फिर स्त्रियों की गरिमा के हनन होने पर तो गुस्सा नहीं आता, लेकिन जिन बातों को नजरअंदाज कर आगे बढ़ जाना चाहिए, वहां लोग मामूली विवाद पर मरने-मारने पर उतारू हो जाते हैं। शहरों-महानगरों में सड़कों पर ऐसे दृश्य आम हैं जब बहुत छोटी बात पर भी हिंसक और जानलेवा टकराव हो जाता है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह लोगों की जीवन शैली बदली है, उसका एक नकारात्मक पक्ष यह भी है। अब लोग कम समय में अधिक पाने की उम्मीद करने लगे हैं। जब यह आकांक्षा पूरी नहीं होती, तो उनमें निराशा और हताशा बढ़ने लगती है। इसी के साथ उनमें आया चिड़चिड़ापन कब गुस्से में बदल जाता है, इसका पता भी नहीं चलता। वहीं लोगों के बीच बेतहाशा प्रतिद्वंद्विता भी देखी जाने लगी है। जब किसी को मन मुताबिक चीजें नहीं मिलतीं, तो इसे लेकर मन में बनी गांठ में गुस्सा पलने लगता है जो कभी भी फूट पड़ता है। पहले कोई झगड़ा होता था, तो लोग धीरज से काम लेते थे और मिल-बैठ कर सुलझा लेते थे। जिंदगी की कई मुश्किलों को हल करने का यही एक आसान तरीका था। मगर टीवी और मोबाइल पर लगातार परोसी जा रही नकारात्मक सामग्री के असर से और दूसरी समाज मनोवैज्ञानिक परिस्थितियों की वजह से एक ऐसी पीढ़ी तैयार हुई है जो सहसा हिंसक हो उठती है। जबकि धैर्य और विवेक मनुष्यता के सबसे बड़े गुण हैं और इसे ही लोग खो रहे हैं।

54 फुट खड्गासन प्रतिमा श्री 1008 शांतिनाथ भगवान का स्वर्ण रजत कलशों से महामस्तकाभिषेक किया

ब्यावर. शाबाश इंडिया

नाकामदार जैन समाज के धार्मिक और सांस्कृतिक इतिहास में रविवार को एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया जब श्री विद्यासागर युवा संगठन द्वारा नाकामदार स्थित श्री जिनशासन तीर्थक्षेत्र, जैन नगर में भारतवर्ष की प्रथम 54 फुट ऊँची खड्गासन प्रतिमा का रजत एवं स्वर्ण कलशों से महामस्तकाभिषेक बड़े ही दिव्य और भव्य स्वरूप में सम्पन्न हुआ। यह विराट प्रतिमा भगवान श्री 1008 शांतिनाथ स्वामी की है, जिसे किसी पर्वत को तराश कर नहीं, बल्कि क्षेत्र में पाषाण लाकर निर्मित किया गया है – जो अपने आप में एक चमत्कारिक एवं अप्रतिम शिल्पकला का उदाहरण है। संगठन मंत्री अमित गोधा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतिमा आध्यात्मिकता, शांति और श्रद्धा का प्रतीक है, जिसे देखने के

लिए देशभर से श्रद्धालु उमड़े। कार्यक्रम के दौरान रजत एवं स्वर्ण कलशों से महामस्तकाभिषेक, शांतिधारा, अभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना की गई। जैसे ही पवित्र जल की धाराएँ भगवान शांतिनाथ के दिव्य चरणों से होकर मुखमंडल पर प्रवाहित हुईं, समस्त वातावरण मंत्रोच्चारण और भक्ति भाव से गूंज उठा। भक्तों की आंखें श्रद्धा से छलक उठीं और सम्पूर्ण वातावरण अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। इस भव्य आयोजन में संगठन अध्यक्ष कमल जैन, मंत्री कल्पेश जैन, अमित गोधा मोहित जैन, राहुल गदिया, यश जैन, विशाल जैन, विविध जैन गौरव जैन सहित अनेक श्रद्धालु और संगठन के सदस्यगण मौजूद रहे। सभी ने भगवान के दिव्य दर्शन कर स्वयं को धन्य माना। इस आयोजन ने न केवल जैन समाज के लिए, बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए भी एक आध्यात्मिक जागरण और शांति का संदेश दिया है। यह कार्यक्रम आने वाली पीढ़ियों को धर्म, संस्कृति और भक्ति की प्रेरणा देगा। शांतिनाथ स्वामी के चरणों में समर्पित यह आयोजन, भारत की आध्यात्मिक परंपराओं का गौरवपूर्ण प्रतीक बन गया है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण दिनांक 10 मई 2025, शनिवार को जयपुर के भट्टारक जी की नसियां स्थित तोतूका सभागार में अत्यंत गरिमा, उत्साह एवं सामाजिक सौहार्द के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 7:00 बजे वीर ग्रुप की सदस्याओं कशिश, एकता एवं कोमल जैन द्वारा सामूहिक मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। मंगलाचरण उपरांत मंचासीन मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों का पारंपरिक तरीके से साफा, माला, दुपट्टा एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर अभिनंदन किया गया। भगवान महावीर के चित्र के समक्ष कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ दीप प्रज्वलन के

साथ हुआ, जिसमें राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष यशकमल अजमेरा, राष्ट्रीय परामर्शक एवं रीजन संस्थापक अध्यक्ष अनिल जैन, रीजन कार्याध्यक्ष सुरेश जैन (बांदीकुई), निवर्तमान रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या एवं नव नियुक्त अध्यक्ष सुनील बज ने सहभागिता की। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों को संबोधित करते हुए अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों एवं रीजन के अंतर्गत सम्पन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवाभावी गतिविधियों की जानकारी दी। राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन ने 'मोक्ष वाहिनी' जैसे राष्ट्रव्यापी सेवा प्रकल्पों की जानकारी देते हुए फेडरेशन के भविष्य के विजन को साझा किया। शपथ विधि का संचालन फेडरेशन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका द्वारा किया गया, जिन्होंने वर्ष 2025-26 हेतु नवगठित रीजन कार्यकारिणी को फेडरेशन के संविधानानुसार पद एवं कर्तव्यों की शपथ दिलाई। नवगठित कार्यकारिणी में सुनील-सुमन बज को रीजन अध्यक्ष, नीरज-रेखा जैन को महासचिव एवं प्रमोदझसोनल जैन सोनी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यक्रम के समापन पर नव नियुक्त महासचिव नीरजझरेखा जैन ने अतिथियों व सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

तीर्थ क्षेत्रों की पद वंदना, स्वस्थ जीवन शैली बिना संभव नहीं

जयपुर. शाबाश इंडिया

11 मई 2025 को जिन अभिषेक एवं पूजन मंडल के धार्मिक कार्यक्रम के अंतर्गत जयपुर स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ अतिशय क्षेत्र चुलगिरी जिनालय में नीचे तलहटी से पहाड़ की पदवंदना करते हुए अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन की गई। कार्यक्रम संयोजक अजय जैन साह, नीरज जैन सेठी, विवेक जैन चौधरी ने बताया कि छोटे बच्चे से लेकर बुजुर्गों ने भी पहाड़ की पद वंदना करी। सभी लोगो ने आज भाग दौड़ भरी जिंदगी में माना कि स्वस्थ जीवन शैली के बिना क्षेत्रों की पद वन्दना संभव नहीं है। आधुनिकता भरी जिंदगी में अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्राचीन जैन भोजन शैली ही श्रेष्ठ है। जिसमें रात्रि भोजन के त्याग एवं संयमित भोजन खाना ही प्रमुख है। जैन दर्शन के नियम वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सही पाए जाते है। जैन भोजन शैली से स्वस्थ जीवन शैली पाई जा सकती है। पहाड़ पर स्थित जिनालय पर व्यवस्थापकों द्वारा बहुत ही सुंदर व्यवस्था करी गई थी। स्थानीय संयोजक विजय जैन सोगानी एवं अन्य व्यवस्थापकों ने छोटे बच्चों द्वारा पार्श्वनाथ भगवान की मनमोहक प्रतिमा जी का अभिषेक करवाया एवं उसके बाद अन्य सदस्यों द्वारा शांतिधारा करवाई गई। इसके अलावा सभी सदस्यों ने जिनालय में स्थित ऐतिहासिक यंत्रों को देखते हुए क्षेत्र का इतिहास समझा एवं जाना। इसके बाद सदस्यों द्वारा देव शास्त्र एवं गुरु जी की पूजन की

गौ सेवा में समर्पित: श्रीराम आशापुरण चैरिटेबल ट्रस्ट और नवीन कुमार भंडारी

शाबाश इंडिया

गौ माता की सेवा और संरक्षण के लिए श्रीराम आशापुरण चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी नवीन कुमार भंडारी के प्रयास अद्वितीय हैं। नवीन कुमार भंडारी ने गौ माता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और प्रेरणा से किया है। उन्होंने गौ माता के योगदान को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है, जिससे गौ माता की सेवा और संरक्षण में नई दिशा मिली है।

गौ काष्ठ से दाह संस्कार

नवीन कुमार भंडारी के नेतृत्व में जयपुर के विभिन्न मोक्ष धाम में गौ काष्ठ से दाह संस्कार करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण और गौशाला को समर्थन मिल रहा है। इस पहल से न केवल पर्यावरण को लाभ हो रहा है, बल्कि गौ माता के महत्व को भी उजागर किया जा रहा है।

गौ माता के लिए विशेष योगदान

भंडारी जी ने गौ माता के लिए कई विशेष योगदान दिए हैं, जिनमें चिकित्सा के क्षेत्र में गौ माता के इलाज के लिए अनेकों योगदान शामिल हैं। उनके प्रयासों से गौ माता की सेहत और सुरक्षा में सुधार हो रहा है।

कोविड महामारी के दौरान योगदान

कोविड महामारी के दौरान उन्होंने जयपुर में गौशालाओं एवं अन्य स्थानों पर जाकर 278 वैक्सीनेशन कैंप लगवाए, उनकी इस पहल की पूरे प्रदेश में सराहना की गई है। इस कार्य से गौ माता की सुरक्षा और स्वास्थ्य का ध्यान रखा गया।

गौ माता के प्रति संस्कार

भंडारी जी ने गौ माता के प्रति बच्चों में संस्कार डालने के उद्देश्य से कई किसानों के साथ मिलकर कई स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इससे नई पीढ़ी में गौ माता के प्रति सम्मान और प्रेम बढ़ रहा है।

सम्मान और पुरस्कार

नवीन कुमार भंडारी को गौ माता की सेवा और संरक्षण में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विभिन्न संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है। उन्हें समाज रत्न पुरस्कार, गौ सेवा पुरस्कार, विशिष्ट सेवा पुरस्कार और सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों से सम्मान मिला है। सैकड़ों सामाजिक और गैर-सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है, जो उनके प्रयासों को और भी प्रोत्साहित करते हैं।

भविष्य की योजनाएं

नवीन कुमार भंडारी जी के नेतृत्व में श्रीराम आशापुरण चैरिटेबल ट्रस्ट गौ माता की सेवा और संरक्षण में और भी महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए तत्पर है। हमें उम्मीद है कि उनके प्रयासों से गौ माता की स्थिति और भी बेहतर होगी और समाज में गौ माता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

विशेष पहल

नवीन कुमार भंडारी जी ने आम जनता को गाय माता के लिए नेपियर क्रॉस उगाने और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया है। इससे न केवल गौ माता की सेहत में सुधार होगा, बल्कि जैविक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा, जो पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। नवीन कुमार भंडारी जी के प्रयास गौ माता की सेवा और संरक्षण के लिए अद्वितीय हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में वे गौ माता के संरक्षण और सेवा में और भी आगे बढ़ेंगे और समाज में गौ माता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी में फिजियोथैरेपी कैंप संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर नवयुवक मंडल चित्रकूट कॉलोनी सांगानेर के सानिध्य में एक मेगा फिजियोथैरेपी कैंप का आयोजन रविवार दिनांक 11 मई को श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर चित्रकूट कॉलोनी में किया गया ।महावीर नवयुवक मंडल के अध्यक्ष सुरेंद्र सोगानी, मंत्री मनीष पाटनी, कोषाध्यक्ष प्रदीप वेद ने बताया कि शिविर में 100 लाभार्थियों ने शिविर का लाभ लिया ।शिविर में मुख्य अतिथि श्रीमती चंद्रकांता महेंद्र- नीलम, सुरेंद्र- संजू ,सत्येंद्र -अर्चना एवं समस्त सोगानी परिवार चनानी वाले गायत्री नगर द्वितीय रहे। शिविर में डॉक्टर अनुश्री की टीम ने लाभार्थियों को जांच कर उचित सलाह दी । प्रबंध कार्यकारिणी अध्यक्ष अनिल कुमार जैन काशीपुरा ने समाज के उत्साह को देखते हुए मंदिर में नियमित रूप से फिजियोथैरेपी सेंटर खोलने का आश्वासन दिया। शिविर के समन्वयक - मनीष सोगानी, मनोज गंगवाल, पवन सेठी विकास दोसी, सुरेश अजमेरा अखिलेश झांझरी एवं संयोजक- राजकुमार सोगानी, आकाश सिंघल, अनिल सोनी, पुलकित बिलाला, राहुल सोगानी, आशीष बेद थे। शिविर में प्रबंध कार्यकारिणी समिति, नव युवक मंडल कार्यकारिणी एवं सदस्य महिला मंडल कार्यकारिणी एवं सदस्य उपस्थित रहे। शिविर के मीडिया प्रभारी दीपक पहाड़िया थे।

मातृत्व दिवस पर एक विशेष पहल ''एक परिंडा मां के नाम''

जयपुर. शाबाश इंडिया

ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट (रजि) एवं लोटस इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट (लिफ्ट) के संयुक्त तत्वावधान में मातृत्व और करुणा को समर्पित एक परिंडा मां के नाम व भारत पाक युद्ध की स्थिति को देखते हुए राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार ब्लड बैंकों में रक्त व दवाइयां की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु विशाल रक्तदान शिविर व निशुल्क मैडिकल कैंप का आयोजन होटल कल्याण बैंक्विट और गार्डन मानसरोवर में रखा गया। संस्था के अध्यक्ष प्रमोद जैन भँवर व संजीव वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष चंपा लाल गैदर, पूर्व प्रदेश सह संयोजक सुनील कुमावत रहे। इस अवसर पर समाजसेविका मनीषा जैन सहित सहकारिता प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील गहलोत, प्रदेश महामंत्री महेंद्र पंवार और सुनील यादव, गुड्डू सैनी, सूरज खटाना, मोनू साहू प्रदेश और जिला ओबीसी मोर्चा टीम, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता मदन प्रजापत, प्रियांशी जैन, आशिका कुमावत उपस्थित रहे।

प्रभु से प्रीति होगी तो भक्ति का चढ़ेगा गहरा रंगः गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

इंदौर. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ प्रणेत्री श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी जावरा वाला मन्दिर पलासिया इंदौर में विराजमान हैं । प्रातः बेला में आज आर्यिका ज्ञेयकश्री माताजी के केशलोंच संपन्न हुये। माताजी के मुखारविंद से अभिषेक शांतिधारा का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ । तत्पश्चात चित्रणावर्ण, दीप प्रज्वलन हुआ व मंगलाचरण के साथ धर्म सभा का प्रारंभ हुआ। पूज्य माताजी ने उपस्थित श्रावकों को संबोधित करते हुए कहा कि - प्रभु से प्रीति होगी तो भक्ति का रंग गहरा होता जायेगा। मन में प्रभु के प्रति श्रद्धा है तो भक्ति का फल तत्काल मिलता है। भक्तामर स्तोत्र, सहस्रनाम स्तोत्र आदि को यदि सच्चे मन से पढ़ते हैं तो इन सबका अतिशय फल है । माताजी ने कहा - आचार्य मानतुंग ने भक्तामर बनाया तो उनके ताले स्वयमेव ही खुल गये । उसी भक्तामर की महिमा का अपने जीवन के दृष्टांत के माध्यम से बखान करते हुए माताजी ने बताया - जब माताजी ससंघ का विहार कर्नाटक से तमिलनाडु की ओर चल रहा था । घनघोर जंगल में हाथियों की टोलियों से सामना होने वाला था और बचने का कोई रास्ता नहीं था तब सच्चे हृदय से पूज्य माताजी ने भक्तामर स्तोत्र का पाठ शुरू किया तो हाथियों की टोली किसी ओर रास्ते से निकल गई। हम सच्चे मन से प्रभु की भक्ति करेंगे तो कोई भी हमारा बाल बांका नहीं कर सकता। माताजी ने अनशन व्रत कर अपनी साधना को उत्कृष्टता प्रदान की ।

अजंता वर्ल्ड सेकेंडरी स्कूल में धूमधाम से मनाया मदर्स डे

जयपुर. शाबाश इंडिया

चौमूं शहर के गिरिराज नगर स्थित अजंता वर्ल्ड सेकेंडरी स्कूल में मदर्स डे बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने मां सरस्वती की फोटो के माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर की। इसके पश्चात स्कूल के स्टूडेंट्स द्वारा अपनी-अपनी माता का माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया । इसके पश्चात डांस, म्यूजिकल चेयर की प्रतियोगिता में माताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत यह रही की उपस्थित माताओं ने अपनी आंखों पर काली पट्टी बांधने के बाद भी भीड़ में से अपने-अपने बच्चों को स्पर्श करके पहचान लिया। इस पर सभी की तालियां गूंज उठी । सभी माताओं को स्कूल द्वारा गिफ्ट प्रदान किए गए। स्कूल के डायरेक्टर मालीराम यादव और प्रिंसिपल संगीता तिवारी ने बताया कि कार्यक्रम में थाना अधिकारी प्रदीप शर्मा, सिंगर पूनम राजपूत, भामाशाह गोविंद अग्रवाल, समाज सेवी आराधना अग्रवाल, पंकज शर्मा, डॉक्टर सुनीता बागोरिया, अभिषेक शर्मा, लक्ष्मी जोशी ने अतिथि के रूप में शिरकत की। स्कूल डायरेक्टर ने किया अपनी मां का सम्मान। अजंता वर्ल्ड सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर मालीराम यादव ने भी मदर्स डे पर अपनी माता का माल्यार्पण कर, चरण छूकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान ललित सैनी, राकेश मीणा, राजेश जांगिड़ ,मंजू सैनी, रेखा अग्रवाल, इंद्रा शर्मा, गीता नासना, मोनिका बागोरिया, सलोनी सैनी, रचना बागोरिया, मदन लाल यादव, टिंकू नागर सहित कई लोग मौजूद रहे।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

चमोली. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज का उत्तराखंड के बद्रिनाथ से हरिद्वार की ओर विहार चल रहा है। 11 मई को उभय मासोपवासी साधना महोदधि प.पू. अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज उपाध्याय श्री 108 पियूष सागर जी महाराज की जिला चमोली उत्तराखंड प्रातः पूजन दीप आराधना हुई । 5 दिवस में बद्रीनाथ से लगभग 150 किलोमीटर की दुरी की तय की। आचार्य श्री निरंतर चल रहा है मंगलमय पदविहार तेज दोपहरी भीषण गर्मी में भी हरिद्वार की ओर। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने प्रवचन में बताया कि सज धज के जिस दिन मौत की शहजादी आयेगी, ना सोना काम आयेगा ना चाँदी आयेगी..! हम सब यात्री हैं, सब यात्रा पर है, सबको अनन्त की यात्रा पर जाना है --सफर लम्बा है, सबका जाना भी कनफर्म है,, जिसमें कोई खर्चा नहीं है। सीट भी कनफर्म है। यान या वायुयान सब ऑन टाइम है। हमारे अच्छे बुरे कर्म ही हमारा लगेज है। मानवीयता हमारा पासपोर्ट है।प्रेम, मैत्री, सदभाव हमारा वीजा है। स्वर्ग तक की इस यात्रा में जाने के लिए या बिजनेस क्लास में बैठने के लिए -- जिन्दगी में जितना भी हो सके, मन को सरल, हदय को पवित्र और चित्त निर्मल रखें।आप सुखी यात्री बन सकते हैं। आपकी यात्रा मंगल मय हो... !

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

पुलक सागर महाराज के अवतरण दिवस पर गुरु पूजन एवं आरती

किशनगढ़. शाबाश इंडिया। भारत गौरव, राष्ट्र एवं जन जन के संत, मनोज्ञाचार्य श्री पुलक सागर जी गुरुदेव के आज 55 वें अवतरण दिवस पर आयोजित त्रिदिवसीय पुलक पर्व के अंतिम दिवस अभिषेक, गुरु पूजन एवं महाआरती की गयी। पुलक मंच परिवार के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश बैद एवं महामंत्री जीतेन्द्र पाटनी ने जानकारी देते हुए बताया की त्रिदिवसीय पुलक पर्व के अंतिम दिन आज दिनांक 11 मई को जैन भवन मे प्रातः 7 बजे से श्रीजी के जल, रस, श्रकरा, घृत, दूध, दही, सर्वोषधि, केसर, पुष्प, सुगंधित जल से पंचामृत अभिषेक किये फिर भगवान की शांतिधारा की गयी ततपश्चात 24 भगवान एवं सभी पूर्वाचार्यो एवं वर्तमान आचार्यो को अर्घ्य समर्पित किया फिर नवदेवता, महावीर भगवान एवं आचार्य पुलक सागर जी गुरुदेव की संगीतमय पूजन की गयी पूजन मे उपस्थित सभी गुरु भक्तों ने भक्ति करते हुए अर्घ्य समर्पित कर गुरुदेव के दीघार्यु की मंगल कामना की। इसके पूर्व मंच के सभी सदस्यों ने जैन भवन किशनगढ़ मे विराजित आर्यिका श्रुतमती माताजी ससंघ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। सांयकाल महावीर भगवान एवं आचार्य पुलक सागर जी महाराज की 55 दिपको से महाआरती की गयी। अंत मे बैद ने त्रिदिवसीय कार्यक्रमों मे सहभागिता निभाने वालें सभी अतिथियों, मिडिया एवं मंच सदस्यों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

श्रमण संस्कृति सांगानेर संस्थान के तत्वावधान में कोटा में धार्मिक शिक्षण शिविर में 30 स्थानों पर 12 मई से प्रारम्भ शिविर के पोस्टर का मुनि श्री सुधासागर जी के सानिध्य में विमोचन

कोटा. शाबाश इंडिया

श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में श्री श्रमण संस्कृति पाठशाला परिवार,कोटा द्वारा कोटा में सभी क्षेत्रिय जैन मंदिरों में धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का प्रारम्भ 12 मई को सभी क्षेत्रिय जैन समाज में में प्रारम्भ होगा। सांगानेर संस्थान द्वारा स्नातक शिक्षित शास्त्रियों द्वारा धर्म की शिक्षा दी जायेगी। अलग अलग स्थानों पर विभिन्न धार्मिक ग्रंथ की शिक्षा दी जा रही है। जिसमें मुख्य रूप से प्रथम भाग, द्वितिय भाग, छहडाला, भक्तामर स्तोत्र, रत्नश्रावकाचार, आचार्य श्री कृत साहित्य आदि की शिक्षा दी जा रही है। जिसमें बच्चों को प्राथमिक जैन धर्म के बारे में और बड़ो को बड़े शास्त्र रत्नश्रावकाचार, तत्वार्थ सूत्र की शिक्षा श्रावक दी जायेगी। नरेश जैन वेद ने बताया कि यह शिक्षण शिवर कोटा में स्टेशन, रिद्धि सिद्धि नगर,रामपुरा, विज्ञान नगर, तलवण्डी, महावीर नगर द्वितिय , महावीर नगर लाल मंदिर, छावनी, लाड़पुरा, महावीर नगर विस्तार, आर.के.पुरम, शास्त्री मार्केट, सरस्वती कॉलोनी, बोरखेड़ा, पार्श्वनाथ निलय कोर्टयार्ड , बालिता आदिनाथ, नयापुरा, जवाहर नगर, रानपुर, वल्लभबाड़ी, देवाशिष सिटी, वैशाली नगर, शॉपिंग सेंटर आदि स्थानों पर लगाया जायेगा। अजय जैन सीए ने बताया कि कोटा में शिविर को लेकर बच्चों व बड़ो में काफी उत्साह है। शिविर प्रातः 7.30 से 9.30 व सायं को 7.30 से 9.30 तक लगेगा। सभी अपनी इच्छानुसार शिविर में भाग ले सकते है व पढ सकते है। पारस जैन ने बताया कि हरवर्ष शिविर में सभी क्षेत्रीय मंदिरों के अध्यक्ष/मंत्री/संयोजक द्वारा व्यवस्था की जा रही है। इस वर्ष 30 स्थानों पर शिविर लगाया जा रहा है जिससे सभी लोगो को धर्म का लाभ मिल रहा है। धर्म का ज्ञान लेने के लिये लोगो की रूचि बढ़ रही है। अंत में पढ़ाये जाने वाले कोर्स की परीक्षा होगी।

-सादर प्रकाशनार्थ नरेश जैन वेद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

Happy Mothers Day to all of you

मैं नहीं करती टीपा टिप्पणी मैं लिखती हूं मन के उदगार,
यह एक मेरी छोटी सी हॉबी,, जिसके लिए मैं करती हूं खुद को आभार
मां के शब्द सुनते ही हृदय हो जाता व्याकुल,
आंगन में खिलते गुलाब की तरह मां के मुस्कुराहट से होता है मन अनुकूल,
क्योंकि कहते हैं ना कि घर से ही मां और मां से की घर होता है पूर्ण,
मां की कमी लगती है हमेशा होता सर पर हाथ, मन में रहता था सुकून,
मां की ममता मां की साहस मां के हाथ के बने रोटी की चाहत,
दुआ देती है दिल से, लगा लो गले मां-बाप को उनके पैरों तले है जन्नत,
दुर्गा जैसी मां की ताकत, लक्ष्मी जैसी करती पैसे का संचय,
सरस्वती देती जैसे ज्ञान और संस्कार,
जिनवाणी मां के जैसा रहता मां का धर्म, संयम, व्रत ,आध्यात्मिक के जैसा व्यवहार,
कहते हैं ना कि जहां होता देश प्रेम वह होती है धरती मां,
उगता सूरज पूरब से अस्त होता पश्चिम,
चौमासा की बहार में होती बारिश रिमझिम रिमझिम,
हरी भरी रहे धरती मां खुशनुमा रहे वातावरण,
कश्मीर से कन्याकुमारी तक हिमालय की चोटी से समुद्र की लहरों तक,
सोने की चादर से लिपटी शिप की मोती की तरह सुनहरा रहे यह पर्यावरण,
यह सुंदर सा वर्णन किया मैंने अपनी भारत मां के लिए,
जिनकी छाती ने सहे हैं कई नरसंहार आतंकी हमले,
हृदय की गहराई से भारत मां के लिए हूं नतमस्तक,
नहीं सहेंगे युद्ध लड़ाई खत्म हो यह आतंकवाद,
भारत मां की संस्कृति,भाषा राष्ट्रवाद का रहे हमेशा संवाद,
ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से जल, थल ,वायु, के सेना की कर्मठता का करते हैं आगाज ,
हमारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह और करनल सोफिया कुरैशी अपना दमखम लगाकर आतंकी अड्डों को किया बर्बाद,
जांबाज हमारी दो नारियां ने लिख डाला है बड़ा इतिहास,
ना झुकेंगे ना झुकने देंगे हमारे भारत मां का लिबास,
यह है हमारे दो सशक्त नारियां यह भी तो है हमारी मां के मन की पहचान,
जय हिंद ,जय भारत ,का नारा लगाकर बुलंद हो गई उनकी आवाज,
ड्रोन के माध्यम से कर रहा है पाकिस्तान शहरों में प्रहार,
जवाब देने को खड़े हैं सैनिक नहीं मानेंगे हार,
कोई भी बुराई दुर्व्यवहार करेगा पाकिस्तान सेना करेगी प्रचंड प्रहार,
आज हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में खत्म हो जाए बस यह आतंकवाद,
भारत मां को हृदय से लगाकर शहीद हुए उन सैनिकों के लिए अश्रु से बहती है धारा हर बार,
चैन की नींद तभी सो रहे हैं हम क्योंकि बॉर्डर पर बैठे हैं हमारे सैनिक उस पार,
करते हैं हम सेल्यूट और नतमस्तक बार बार,

-ज्योति छाबड़ा

सिद्धवरकूट अध्यात्म और प्रकृति का अनुपम उपहार : उपाध्याय विरंजन सागर जी

सनावद. शाबाश इंडिया

सिद्धवरकूट सिद्ध क्षेत्र दिगंबर जैन संस्कृति का अति प्राचीन अनुपम तीर्थ है दो चक्री दस काम कुमार मुनि सहित साढ़े तीन करोड़ मुनियों की निर्वाण स्थली यह तीर्थ अध्यात्म और प्रकृति का अनुपम उपहार है। यह तीर्थ हमें बताता है कि हमारी संस्कृति अत्यंत ही समृद्ध है,जिसका इतिहास अनादि काल से है। उक्त विचार गणाचार्य विराग सागर जी महाराज के परम शिष्य उपाध्याय मुनि श्री विरंजन सागर जी महाराज ने सुहावना सिद्धवरकूट इतिहास पुस्तक के लेखक राजेंद्र जैन महावीर से हुई चर्चा में व्यक्त किए। इस अवसर पर ट्रस्टी आशीष चौधरी, रजनीश जैन,अजय जैन उपस्थित थे। उपाध्याय श्री संघ में तीन मुनि,एक क्षुल्लिका जी सम्मिलित हैं जो पट्टाचार्य महामहोत्सव सुमति धाम इंदौर से पद विहार कर छत्रपति सम्भाजी नगर जा रहे हैं। 12 मई को प्रातः काल सनावद नगर में प्रवेश करेंगे। उपाध्याय श्री को क्षेत्र की जानकारी देते हुए आशीष चौधरी ने बताया कि वर्ष 2013 में गणाचार्य विराग सागर जी महाराज अपने विशाल संघ 71पीछी सहित पधारे थे। श्रद्धालुओं ने पद विहार में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लिया। तपती धूप में मुनि संघ का विहार हुआ।

ई एस आई हॉस्पिटल में प्रसूति महिलाओं के बीच मनाया मदर्स डे

सोहणी फुलकारी पंजाबी वूमन सोसायटी द्वारा वितरित की गई खाद्य सामग्री

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इंसान की जिंदगी में सबसे होती है खास, दूर होकर भी सदा होती हे दिल के पास, जिसके सामने मौत भी अपना सर झुका दे, वह और कोई नहीं बस मां होती है। आज इस मदर्स डे के उपलक्ष्य में सोहणी फुलकारी पंजाबी वूमन सोसायटी ग्रुप ने ई एस आई हॉस्पिटल विज्ञाननगर में एडमिट प्रसूति महिलाओं को बिस्किट्स, तेल, साबुन, नैपकिन इत्यादि जरूरत का सामान वितरित करते हुए सम्मानित किया। रचना चावला ने बताया कि आज के दिन इन प्रसूताओं को ये सम्मान सोहणी फुलकारी ग्रुप द्वारा मदर्स डे के साथ साथ देश की सुरक्षा कर रहे वीर जवानों को समर्पित करते हुए किया गया। क्योंकि क्या पता आने वाले समय में इन्ही महिलाओं में से किसी का बेटा भविष्य में सेना में भर्ती होकर हमारे लिए सरहद पर अपनी जान की बाजी लगाये। सोहणी फुलकारी उन सभी माताओं को भी शत शत नमन करती है जिनके दिल के टुकड़े उनके सपूत आज अपनी जान की परवाह न कर के हमारी रक्षा के लिए सरहद पर युद्ध करने गए है। डॉक्टर दीपाली बहल के सहयोग से सोहणी फुलकारी की टीम रानी गौहरी, रचना चावला, प्रीति अदलखा ,रजनी साहनी, स्वीटी ढींगड़ा, चंद्र गुलाटी इत्यादि सभी सदस्यों ने मिलजुल कर इस सराहनीय कार्य में भाग लिया।

नेटथियेट पर सरुर-ए- गजल

''दिल दिया और मुकर गया कैसे, उल्टे इल्जाम धर गया कैसे''

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेटथियेट कार्यक्रम की श्रृंखला में आज 'सरुर-ए- गजल' कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध गजल सिंगर 'जावेद हुसैन' ने अपनी मखमली आवाज में सुप्रसिद्ध शायरों की गजलों का गुलदस्ता पेश कर मौसिकी से रूबरू कराया। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू बताया कि कलाकार जावेद ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत सुप्रसिद्ध शायर सैयद हबीबुर रहमान नियाजी की गजल 'दिल लिया और मुकर गया कैसे, उल्टे इल्जाम धर गया कैसे' से की। इसके बाद उन्होंने मोहम्मद उस्मान आरिफ की एक गजल 'प्यार का जज्बा नया रंग दिखा देता है, अजनबी चेहरे को महबूब बना देता है'। फिर शायर चराग जयपुरी की मेरे प्यार को भुला तो ना दोगे कहीं दोस्त बनकर दगा तो ना दोगे को जब अपनी पुरकशिश आवाज में इन गजलों को सुनाया तो दर्शक वाह-वाह कर उठे और अंत में शायर मिर्जा गालिब की मशहूर गजल कोई उम्मीद पर नहीं आती कोई सूरत नजर नहीं आती सुनाकर अपनी गायिकी का परिचय दिया। ज्ञात रहे की अभी हाल ही में आकाशवाणी द्वारा कलाकार जावेद हुसैन को ए ग्रेड की उपाधि से सम्मानित किया गया है। जावेद एक संगीत परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके गुरु पिता और चाचा पद्मश्री अहमद हुसैन मोहम्मद हुसैन देश के सुप्रसिद्ध गजल गायक है। इनके के साथ वायलिन पर गुलजार हुसैन,की बोर्ड पर रहबर हुसैन, हारमोनियम पर हीरेंद्र कुमार भट्ट, गिटार पर बिलाल हुसैन और तबले पर शफात हुसैन ने अपनी उंगलियों का जादू दिखाकर गजल की इस महफिल को परवान चढाया। सभी कलाकारों ने अपनी शानदार संगत से कार्यक्रम को ऊंचाइयां दी। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी तथा कार्यक्रम में इम्पीरियल प्राइम कैपिटल के कला रसिक मनीष अग्रवाल की ओर से कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

शिविर ही है शिव का द्वारः मुनि श्री विभोरसागर जी महाराज

64 ऋद्धियां प्रकट होती है मुनिराजों को : पंडित पारस जैन शास्त्री

कोटा. शाबाश इंडिया। पुण्योदय अतिशय क्षेत्र नसियां जी दादाबाड़ी कोटा में परम पूज्य आचार्य भगवन 108 श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य गुरूदेव निर्यापक तीर्थचक्रवती मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से आठ दिवसीय पुण्योदय सम्यग्ज्ञान शिक्षण शिविर का सातवे दिवस पर अध्यक्ष जम्बू जैन सर्राफ ने बताया कि नसियां जी में आज की प्रातः कालीन प्रवचन में आज परम पूज्य आध्यात्मयोगी आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री विभोरसागर जी महाराज ने बताया की शिविर ही है शिव का द्वार है शिविर से धर्म के मर्म को जाना जा सकता है शिविर से ही जीवन में सद संस्कारो का बीजारोरण किया जा सकता है। शिविर में सांगानेर संस्थान से आए हुए विद्वानों, शिविरार्थियों, विधान में बैठने वालो, सभी पुण्यार्जको को आशीर्वाद दिया। इस शिविर में कार्य करने वाले समस्त कार्यकर्ता वह मंदिर के पुजारीयो और मन्दीर वर्करो को भी बहुत-बहुत आशीर्वाद दिया। संयोजक धर्मचंद जैन धनोप्या ने पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रवचनों के पश्चात सांगानेर से पधारे पंडित पारस जैन शास्त्री ने पुण्योदय सम्यग्ज्ञान शिक्षण शिविर के समापन की बेला में प्रातः काल जिनवाणी प्रभावना यात्रा एवं 64 रिद्धिमहामंडल विधान का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 500 से अधिक शिवरार्थियों ने रिद्धिधारी मुनिराजो की महाअर्चना की, संगीतमय महापूजा के साथ रिद्धियां के अर्थ को जानते हुए मंडल जी पर पुण्यार्जक परिवारों के द्वारा 108 मंडलों पर अर्घ्य समर्पित किए गए।

श्री वीर तेजाजी बासक बाबा धाम पर मनाई गई श्री श्री यादें मां की तृतीय वर्षगांठ धूमधाम से मनाई

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

रामपुर। श्री वीर तेजाजी बासक बाबा धाम पर श्री श्री यादें मां की तृतीय वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें हवन, पूजा-पाठ एवं महाआरती संपन्न हुई। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कोषाध्यक्ष मंगल प्रजापति ने बताया कि यह

आयोजन गादीपति महाराज रतनलाल प्रजापति व मंदिर अध्यक्ष गोपाल लाल मारवाड़ा के सानिध्य में संपन्न हुआ। पंडित राम रतन शर्मा द्वारा वेद मंत्रोच्चार के साथ हवन व पूजा संपन्न की गई। इसके पश्चात श्री श्री यादें मां की महाआरती की गई और भव्य महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस पावन अवसर पर गादीपति महाराज रतनलाल प्रजापति, महंत रामदास जी, मंदिर अध्यक्ष गोपाल लाल मारवाड़ा, उपाध्यक्ष ग्यारसी लाल प्रजापति, छोटू प्रजापति (पीलोदा), नंदलाल प्रजापति, सांवरलाल प्रजापति, रामलाल प्रजापति, लादू प्रजापत सराना महावीर प्रजापति नोरत प्रजापति रामदेव प्रजापति, गणेश प्रजापति और रामकुमार प्रजापति सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। समारोह में क्षेत्रीय भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भक्ति भाव से कार्यक्रम का आनंद लिया।

मातृत्व दिवस पर किया गौसेवा कार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री मुनिसुव्रतनाथ फाउंडेशन जीवदया कमेटी के तत्वावधान में गौसेवा कार्य किया गया। दुर्गापुरा स्थित गौशाला में कार्यक्रम की अगुवाई करते हुए अध्यक्षा मैना गंगवाल और टीम ने गौ माता को हरा चारा, गुड़ और लड्डू खिलाकर उनकी सेवा की। मंत्री मुकेश श्रीमाल ने बताया कि फाउंडेशन का उद्देश्य गौ संरक्षण, सामाजिक सरोकार और जीवदया के प्रति लोगों को जागरूक करना है। समन्वयक अभिषेक सांघी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में परम उपकारी गौ, स्वयं माता के समान हैं, और आज मातृत्व दिवस पर उनकी सेवा कर पाना हमारा सौभाग्य है। कार्यक्रम में उपस्थित मातृत्व शक्ति का अभिनंदन कर समिति ने गौशाला में गायों की देखभाल और सेवा का संकल्प लिया। इस अवसर पर दीपा, नेहा, डॉ. प्रीति, पिंकल, ज्योति, तोषी, अम्बिका सेठी ने समर्पित भाव से सहभागिता कर सेवा में योगदान दिया।

आचर्य श्री पुलक सागर जी महाराज के अवतरण दिवस पर मेडिकल कैंप का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र के तत्वावधान में पुलक मंच गायत्री नगर के सौजन्य से श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र मे निशुल्क मेडिकल परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का संचालन डॉक्टर एस. सी. बोहरा के सानिध्य में किया गया। शिविर में हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, वजन, लंबाई, ऑक्सीजन स्तर की जांच और सामान्य स्वास्थ्य परामर्श जैसी सेवाएं निशुल्क प्रदान की गईं। शिविर मे श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र के प्रभारी सुरेश लुहाड़िया एवं ट्रस्ट के डॉक्टर प्रदीप जैन, अतुल बिलाला एवं मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा, उपाध्यक्ष अरुण शाह एवं सचिव राजेश बोहरा भी उपस्थित थे। जिनका पुलक मंच परिवार की तरफ से स्वागत एवं सम्मान किया गया। कैंप में आए सभी आगंतुकों का पुलक मंच की तरफ से मंजू (सेवावली) ने स्वागत एवं रेखा झांझरी ने धन्यवाद किया। इस दौरान पुलक मंच की तरफ से श्री आदिनाथ धर्मार्थ चिकित्सा केंद्र को 3 वॉकर, एक व्हीलचेयर एवं गोदाम क्रय हेतु 11000/-की सहयोग राशि भी प्रदान की। कार्यक्रम मे डॉ. सुरेश बोहरा ने कहा कि इस तरह के शिविर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में सहायक होते है।

आचार्य पुलक सागर महाराज का 55वां अवतरण दिवस भक्तिभाव से मनाया

जरुरतमंद परिवारों को 15000 किलो गेहूं किया वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन आचार्य, राष्ट्र संत, भारत गौरव 108 पुलक सागर महाराज का 55वां अवतरण दिवस भट्टारक जी की नसिया में भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर पर पुलक मंच परिवार की ओर से जरुरतमंद जैन समुदाय एवं असमर्थ असहाय परिवारो को गेहूं एवं अन्न निःशुल्क वितरण किया गया।समाजसेवी कुशल ठोलिया ने बताया कि इस मौके पर 15000 किलो गेंहू वितरण किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक काली चरण सराफ, विशिष्ट अतिथि नगर निगम हैरिटेज महापौर कुसुम यादव, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने भगवान महावीर एवं

आचार्य पुलक सागर महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया। पुलक मंच परिवार की ओर से कुशल ठोलिया, मधु ठोलिया, रितेश लुहाडिया, दीपक पाटोदी आदि ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस मौके पर मीना चौधरी ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। कमल बाबू जैन, विनोद जैन कोटखावदा, मीना चौधरी आदि ने आचार्य पुलक सागर महाराज को उनके 55 वें अवतरण दिवस पर विनयांजली प्रस्तुत की। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, महामंत्री मनीष बैद, कमल बाबू जैन, श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के मानद् मंत्री सुनील बख्शी, कुशल ठोलिया, राजेश रावका, सतीश खण्डाका, राकेश नेकेवाला, रितेश लुहड़िया, मनीष सोगानी, जिनेन्द्र जैन जीतू, मनोज पाटनी,पिंकसिटी पुलक मंच की अध्यक्षा नीतू सोगानी मंत्री रीटा गंगवाल, वन्दना पाटोदी, कार्यकारी अध्यक्षा आशिमा लुहाड़िया, संरक्षिका मधु ठोलिया, स्वाति नेकेवाला, राखी गंगवाल, मीना चौधरी सहित बडी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संचालन इन्दिरा बडजात्या ने किया।

आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी महाराज ससंघ का उज्जैन नगरी में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

उज्जैन। सुमति धाम, इंदौर में आयोजित पट्टाचार्य पदारोहण समारोह में पट्टाचार्य पद से अलंकृत होकर प्रथम बार उज्जैन में धर्मप्रवर्तन यात्रा करते हुए पधारे चर्या के आकाशदीप महामहिम आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी महाराज ससंघ का उज्जैन नगरी में 11 मई को भव्य मंगल प्रवेश पूर्ण भव्यता एवं गुरु भक्ति के साथ हुआ। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि संयम, साधना और चारित्र के पवित्र स्तंभ, तप के तेजस्वी सूर्य, निर्ग्रन्थ मुनि, पट्टाचार्य पद विभूषण महामहिम आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज का ससंघ (38 पिच्छी सहित) हजारों गुरु भक्त श्रावको की उपस्थिति के साथ चल समारोह प्रातः सिंधी

कॉलोनी से प्रारंभ होकर जुलूस टॉवर, चामुंडा माता चौराहा, कोयलाफाटक, निजातपुरा, बियाबानी विडी मार्केट चौराहा होते हुए कालिदास मांटेसरी स्कूल, तेलीवाड़ा पहुंचा। मंगल यात्रा में सेकंडों की संख्या में भक्त जिन ध्वज लेकर घोडे पर धजवाहक के साथ बेंड आदिवासी नर्तक दल, कर्नाटक के बेंड दल के साथ ही बड़ी संख्या में समाज जनों ने बड़ी भक्तिभाव के साथ उल्लासपूर्वक भव्य अगवानी की। नगर के गणमान्य नागरिक, राजनेता एवं श्रद्धालुजनों द्वारा आचार्यश्री संघ की आगवानी पाद प्रक्षालन ओर आरती एवं चोक पूर कर की गई। दद्दू ने कहा कि नमोस्तु शासन जयवंत हो से पुरा उज्जैन शहर गुंजायमान हो उठा। चल समारोह तेलीवाड़ा पहुँचने पर गुरुभक्त परिवार ने गुरुवर विराग सागर जी के चित्र का अनावरण व दीप प्रज्ज्वलन किया। प्रथम पाद प्रक्षालन करने का परम सोभाग्य तेजकुमार विनायका परिवार को प्राप्त हूआ। सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चरित्र रूपी तीन ग्रीस्म कालीन वाचना कलश की मंगल मय स्थापना हुई। प्रथम कलश स्नेहलता श्रवण सोगानी, दित्तीय कलश आश्विन रूचि कासलीवाल, तृतीय कलश प्रकाश राजेंद्र बडजात्या परिवार को प्राप्त हुआ। गुरु देव अपनी देशना के माध्यम से हजारों की संख्या में पधारे गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मा को संयम की दिशा हेतु सम्यक दर्शन, ज्ञान, चारित्र के माध्यम से मोक्ष मार्ग प्राप्ति के मार्ग का उपदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन अनिल गंगवाल ने किया। देशभर से पधारे श्रावक-श्राविकाएं, आराधक, एवं अनेक त्यागी व्रतधारी के साथ साथ शहर के सभी जिनालयों के ट्रस्टीयों व राजनेताओं ने इस अवसर पर गुरुदेव को ग्रीष्म कालीन देशना के लिए निवेदित करते हुए श्री फल भेंट कर निवेदन किया।

श्री सर्वतोभद्र जिनालय का मनाया प्रथम स्थापना वर्ष

श्री भक्तामर स्तोत्र पाठ का हुआ आयोजन

आगरा. शाबाश इंडिया। 11 मई को बल्केश्वर स्थित न्यू आदर्श नगर के श्री सर्वतोभद्र जिनालय को एक साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में श्री सर्वतोभद्र जिनालय परिवार द्वारा भक्तिमय वातावरण में श्री भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित भक्तों ने एक ही धुन पर 48 काव्यों का वाचनकर श्री भक्तामर पाठ संपन्न किया। श्री सर्वतोभद्र जिनालय परिवार के सदस्य पंकज जैन ने बताया कि श्री भक्तामर स्तोत्र पाठ करने से मन में शांति और पवित्रता आती है। और एक वर्ष की सफल यात्रा पूरी होने पर इस प्रकार का आध्यात्मिक आयोजन निश्चित रूप से आगे के विकास और कल्याण के लिए प्रेरणादायक सिद्ध होगोइस अवसर पर श्री सर्वतोभद्र जिनालय परिवार बल्केश्वर के सदस्य एवं ट्रस्टीगण मौजूद रहे।

मोती कटरा में सानंद संपन्न हुआ श्री महावीर महामंडल विधान

आगरा. शाबाश इंडिया

नवीन पट्टाचार्यश्री विशुद्धसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से पंडित ऋषभ जैन शास्त्री एवं फकीर जैन शास्त्री के कुशल निर्देश में शनिवार को मोती कटरा स्थित हनुमान चौराहा के श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी की वेदी के जीर्णोद्धार के उपलक्ष्य में श्री महावीर महामंडल विधान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभु का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा के साथ हुआ। जिसके बाद सौभाग्यशाली अजय जैन एवं आशा जैन परिवार द्वारा भगवान महावीर स्वामी की वेदी शुद्धि विधि की मांगलिक क्रियाएं संपन्न की गई,वहीं उपस्थित भक्तों ने पंडित ऋषभ जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में अष्ट द्रव्यों के साथ श्रीजी के समक्ष मांडलें पर अर्घ्य अर्पित कर विधान संपन्न किया। विधान में मौजूद भक्तों ने संगीत की धुनों पर जमकर नृत्य कर प्रभु की भक्ति का आनंद लिया। इस अवसर पर महावीर प्रसाद जैन,अनंत कुमार जैन,अरुण कुमार जैन,अजित जैन,सुनील कुमार जैन, जयंती जैन,गिरीशचंद जैन,जिनेन्द्र जैन,रविन्द्र जैन,शुभम जैन, समस्त मोती कटरा जैन समाज बड़ी संख्या में उपस्थित रहा।

विश्व कल्याण की कामना के साथ हुआ श्री सिद्धचक्र विधान का समापन

भगवान की निकली भव्य शोभायात्रा, हुआ महायज्ञ

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। नगर के बड़े जैन मंदिर में विश्व शांति एवं कल्याण के लिए महायज्ञ के आयोजन के साथ श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का समापन हुआ। राष्ट्रसंत आचार्यश्री विद्यासागर महाराज के शिष्य आचार्यश्री आर्जवसागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री विलोकसागर महाराज एवं मुनिश्री विबोधसागर महाराज के पावन सान्निध्य में नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा मंदिर में आठ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के तहत सिद्धों की आराधना का आयोजन चल रहा था। जैन संस्कृत विद्यालय मुरैना के पूर्व प्राचार्य पंडित महेंद्र कुमार शास्त्री के निर्देशन में विधानाचार्य पंडित राजेंद्र शास्त्री मगरौनी ने विधान की सभी क्रियाओं को कुशलता के साथ संपन्न कराया। कार्यक्रम के दौरान 04 मई से 10 मई तक प्रतिदिन श्री जिनेंद्र प्रभु के अभिषेक, शांतिधारा, नित्य नियम पूजन के पश्चात विधान के अर्घ समर्पित किए जाते थे। विधान के मध्य पूज्य मुनिश्री के प्रवचन हुआ करते थे। शाम को महाआरती, गुरु भक्ति, शास्त्रसभा के साथ स्वर लहरी सैंकी एंड पार्टी फिरोजाबाद द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते थे। आज विधान के अंतिम आठवें दिन विश्व शांति महायज्ञ, श्री जी भव्य शोभायात्रा, सम्मान समारोह, वात्सल्य भोज, आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। विधान के पुण्यार्जक मुन्नालाल, राकेशकुमार, गौरव जैन, सौरभ जैन एवं समस्त चोरम्बार परिवार के पुण्य की सभी ने अनुमोदना की। विधान के समापन पर विराजमान युगल मुनिराजों ने सभी को धर्म वृद्धि का आशीर्वाद प्रदान किया। श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के समापन पर सम्पूर्ण विश्व में शांति हो, सम्पूर्ण विश्व का कल्याण हो। ऐसी पवित्र एवं पावन भावना के साथ विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया गया। विधान के प्रतिष्ठा निर्देशक, संस्कृत विद्यालय के पूर्व प्राचार्य पंडित महेन्द्रकुमार शास्त्री एवं विधानाचार्य पंडित राजेंद्र शास्त्री मगरौनी ने मंत्रोच्चारण के साथ महायज्ञ की क्रियाओं को संपन्न कराया। महायज्ञ के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने श्री जिनेंद्र प्रभु से कामना की कि हे प्रभु इस संसार के सभी जीव सुखी होवे, सम्पूर्ण विश्व में सत्य अहिंसा का बोलबाला होकर शांती स्थापित हो। संसार के सभी जीवों का कल्याण होवे। इस पवित्र भावना के साथ सभी साधर्मी बंधुओं, माताओं ने महायज्ञ में आहुति दी। विधान के अंतिम दिन आज श्री जिनेंद्र प्रभु की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। भगवान जी की प्रतिमा को चांदी की नालकी में विराजमान किया गया। चार इंद्र नालकी को अपने कंधों पर लेकर चल रहे थे। भव्य श्री जी शोभा यात्रा बड़े जैन मंदिर से प्रारंभ होकर सदर बाजार, हनुमान चौराहा, झंडा चौक, सराफा बाजार, लोहिया बाजार होती हुई बड़ा जैन मंदिर पहुंची। शोभायात्रा में श्री जिनेंद्र प्रभु की आरती उतारकर साधर्मी बंधुओं ने अगवानी की। महिलाएं भक्ति भाव के साथ भक्तिपूर्ण नृत्य कर रही थीं और पुरुष वर्ग भगवान महावीर की जय जयकार करता हुआ चल रहा था। बड़े जैन मंदिर में श्री जिनेंद्र प्रभु को पाण्डुक शिला पर विराजमान कर जलाभिषेक किए गए। सौधर्म इंद्र ने कलश से जैसे ही जल धारा प्रभु के सिर पर ढारी, वैसे ही सम्पूर्ण पांडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सभी ने हर्ष ध्वनि के साथ जयकारा लगाते हुए अपनी खुशी का इजहार किया।